नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

जनजातीय वर्ग की चिंता

मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल द्वारा जनजातीय वर्ग के प्रति सरकारी तंत्र के रवैये पर जताई गई नाराजगी केवल एक औपचारिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह उस कड़वी सच्चाई का आईना है, जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है. जब राज्य का संवैधानिक प्रमुख सार्वजनिक मंच से यह कहे कि अफसरों के व्यवहार में 'अपनेपन की कमी' है और आदिवासी अब भी शोषण का शिकार हैं, तो इसे हल्के में लेना शासन और प्रशासन दोनों के लिए घातक होगा.

मध्यप्रदेश जैसे राज्य में, जहां लगभग 21 प्रतिशत आबादी जनजातीय वर्ग से आती है, वहां ट्राइबल सब प्लान (पीएसपी) का प्रभावी क्रियान्वयन केवल नीति का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की बुनियादी शर्त है। ऐसे में यह तथ्य कि वर्ष 2025-26 में टीएसपी के तहत आवंटित राशि का 22 प्रतिशत,यानी 299 करोड़ रुपये से अधिक,खर्च ही नहीं हो पाया और वापस चला गया, न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि यह उन लोगों के साथ अन्याय है, जिनके नाम पर यह बजट निर्धारित किया गया था.

राज्यपाल का यह सवाल कि क्या ट्राइबल बच्चे सिर्फ डांस करने के लिए होते हैं? व्यवस्था पर सीधा प्रहार है.यह टिप्पणी प्रतीकात्मक जरूर है, लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश गहरा है कि क्या हम जनजातीय समुदाय को केवल सांस्कृतिक प्रदर्शन तक सीमित कर रहे हैं, या उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए गंभीर प्रयास भी कर रहे हैं? यदि योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रहें और जमीनी स्तर पर उनका प्रभाव न दिखे, तो यह पूरे प्रशासनिक ढांचे की संवेदनहीनता को उजागर करता है.

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि टीएसपी के धन के उपयोग में स्वयं ट्राइबल विभाग की भागीदारी सुनिश्चित नहीं की जा रही. यह न केवल प्रक्रियात्मक त्रुटि है, बल्कि नीति निर्माण की आत्मा के विरुद्ध भी है. जिनके लिए योजनाएं बन रही हैं, उनकी जरूरतों और प्राथमिकताओं को दरकिनार कर दिया जाए, तो विकास का उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है.

राज्यपाल ने तेलंगाना और कर्नाटक का उदाहरण देकर स्पष्ट किया है कि जहां जवाबदेही तय होती है, वहां परिणाम भी सामने आते हैं. यदि तय राशि समय पर खर्च नहीं होती, तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाती है. मध्यप्रदेश में भी अब इसी तरह की सख्ती की आवश्यकता है. वर्क ऑर्डर समय पर जारी हों, योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग हो और सबसे महत्वपूर्ण, जिम्मेदारी तय हो.

नौकरशाही पर लगाम कसने का अर्थ केवल दंडात्मक कार्रवाई नहीं है, बल्कि एक ऐसी कार्यसंस्कृति विकसित करना है, जिसमें संवेदनशीलता, जवाबदेही और परिणाम की स्पष्ट अपेक्षा हो. अफसरों को यह समझना होगा कि वे केवल फाइलों के प्रबंधक नहीं, बल्कि समाज के सबसे कमजोर वर्गों के जीवन में बदलाव लाने वाले माध्यम हैं.

राज्यपाल की नाराजगी एक चेतावनी है कि यदि अब भी सुधार नहीं किया गया, तो योजनाएं और बजट केवल आंकड़ों का खेल बनकर रह जाएंगे. सरकार और प्रशासन को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि जनजातीय समाज के विकास के लिए निर्धारित हर रुपये का सही और समयबद्ध उपयोग हो. यही सच्चे अर्थों में सुशासन और सामाजिक न्याय की कसौटी है.

परिसीमन के बहाने सियासी पासा फेंकना आत्मघाती

उत्तर भारत के राज्यों की, जिसकी मौजूदा लोकसभा सीटें फिलहाल 230 हैं, वो बढ़कर 300 से 350 तक पहुंच जाएंगी. जबकि दक्षिण भारत की मौजूदा 130 सीटें बढ़कर केवल 150 से 170 तक ही पहुंचेंगी. इसका मतलब साफ है कि अगर मौजूदा जनसख्या और नियमों के मुताबिक परिसीमन हुआ तो दक्षिण भारत पर पूरी तरह से उत्तर भारत का राजनीतिक दबदबा कायम हो जाएगा.

लोकतंत्र में कुछ ऐसे फैसले होते हैं, जो कागज पर भले 'तकनीकी' दिखें, लेकिन व्यवहार में उनका असर भावनाओं को भड़काने वाला हो सकता है. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने परिसीमन बिल को आग में जलाया है. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि महिला आरक्षण विधेयक के साथ जो परिसीमन की कार्रवाई का प्रावधान है, वह आने वाले दिनों में आत्मघाती निर्णय साबित हो सकता है. हालांकि यह भी तय है कि आज नहीं तो कल परिसीमन होना ही है, लेकिन परिसीमन का अभी तक जो आधार रहा है, अगर इसमें वैज्ञानिक ढंग से बदलाव न किया गया, तो यह एक ऐसे मुद्दे में बदल जाएगा, जहां सीटों का गणित, क्षेत्रीय अस्मिता की राजनीति भड़कने में देर नहीं लगेगी. इससे उत्तर बनाम दक्षिण के बेहद संवेदनशील विमर्श के खड़े होने की आशंका है, जो कि आत्मघाती साबित हो सकता है.

लगभग समूचा विपक्ष परिसीमन के विरोध में खड़ा हुआ है. महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े जिन 3 बिलों का एक अनिवार्य हिस्सा परिसीमन भी है. क्योंकि महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 2029 से 33 फीसदी आरक्षण देने का जो प्रस्ताव है, उसके चलते लोकसभा के सांसदों की संख्या 850 होनी है. जबकि मौजूदा संख्या 543 है. इन 850 सांसदों में 815 राज्यों से होंगे और 35 सांसद विभिन्न केंद्र शासित प्रदेशों से होंगे. सीटों की ये सटीक संख्या इसलिए लाजमी है, क्योंकि तभी परिसीमन के बाद 243 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकेंगी. जिस तरह की पुरुष वर्चस्व वाली राजनीति है, उसमें बिना परिसीमन किए महिलाओं के लिए लोकसभा में आरक्षण लगभग असंभव है. अगर ऐसा हुआ, तो महिलाओं के लिए जो सीटें आरक्षित होंगी, यह वो सीटें होंगी, जिनमें अभी तक ज्यादातर पुरुषों का कब्जा रहा है.

इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही जिस महिला आरक्षण विधेयक को साल 2023 में केंद्र सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के रूप में संसद में पेश किया था और लोकसभा तथा राज्यसभा दोनों में इसके पारित होने के बाद कानून बन गया था. उस कानून के मुताबिक 2027 की जनगणना पूरी होने के बाद ही परिसीमन होना था, जिसके कारण यह कानून 2034 तक टल सकता था. अब इसे 2011 की जनगणना के आधार पर ही लागू कराने की बात रही है ताकि 2029 में यह कानून लागू हो जाए. 2029 में ही अगला लोकसभा चुनाव और उसी साल ओड़ीशा, आंध्र प्रदेश, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश विधानसभाओं के चुनाव भी होने हैं. ऐसे में उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीतिक बहस छिड़ जाना लाजमी है. क्योंकि अगर यह बिल पास हो जाता है और मौजूदा जनगणना यानी 2011 के मुताबिक परिसीमन होता है, तो उत्तर और दक्षिण के बीच सीटों का संतुलन ही नहीं गड़बड़ाएगा, बल्कि पूरी तरह से बदल जाएगा.

लोकसभा में 543 सीटें हैं, उसमें 225 से 240 सीटें उत्तर भारत और हिंदी पट्टी के हिस्से आती हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान आदि शामिल हैं. जबकि दक्षिण के 5 राज्यों तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश में 125 से 130 सीटें बनती हैं. अगर 2011 की जनसंख्या के आधार पर 2026 के बाद परिसीमन लागू कर दिया जाता है, तो उत्तर प्रदेश की मौजूदा जनगणना के मुताबिक इसकी वर्तमान 80 सीटें बढ़कर 120 से 130 तक पहुंच सकती हैं. बिहार की मौजूदा 40 लोकसभा सीटें 60 से 65 हो सकती हैं, मध्य प्रदेश की लोकसभा सीटें 29 से बढ़कर 40 या 45 तथा राजस्थान की 25 सीटें बढ़कर 35 से 40 तक हो सकती हैं.

इस तरह मौजूदा जनगणना के आधार पर परिसीमन से हिंदी पट्टी के सांसदों की संख्या 80 से 120 तक बढ़ सकती है, जबकि इसी दौरान तमिलनाडु की 39 सीटें बढ़कर 40 से 45 तक हो सकती हैं. कर्नाटक की 28 सीटें, 30 से 34 तक जाएंगी. केरल की 20 सीटें 20 से 22 तक होंगी. आंध्र प्रदेश की 25 सीटें बढ़कर 28 से 30 होंगी, जबकि तेलगांना की 17 सीटें बढ़कर 20 से 22 तक पहुंचेंगी.

-लोकमित्र गौतम

मध्य क्षेत्र की डायरी

बोर्ड रिजल्ट में भोपाल के सबसे पीछे रहने पर उठ रहे सवाल

दिलीप झा

दसवीं और बारहवीं के परीक्षा परिणाम 15 अप्रैल को आ गए. सरकार ने अपनी पीठ थपथपा ली. लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि राज्य की राजधानी भोपाल सबसे पीछे कैसे हो गयी. प्रदेश रैंकिंग में भोपाल 12वीं में 76.01 प्रतिशत की सफलता के साथ 22वें स्थान और 10वीं में 71.42 प्रतिशत उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के साथ 51वें स्थान पर पहुंच गया. हीरों की नगरी पन्ना ने शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी अद्वितीय चमक से पूरे प्रदेश को चकाचौंध कर चुका है. 10वीं के परीक्षा परिणामों में पन्ना जिले के 14 छात्रों ने प्रदेश की मेरिट लिस्ट की टॉप 10 सूची में अपना कब्जा जमाकर पन्ना जिले का नाम रोशन किया है. गुनौर की बेटी कु. प्रतिभा सिंह सोलंकी ने प्रदेश की मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक नया इतिहास रच दिया है. प्रतिभा ने 500 में से 499 अंक प्राप्त कर 99.8 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं. प्रदेश टॉपर प्रतिभा सिंह सोलंकी सुपुत्री भारतेंदु सिंह सोलंकी ने अपनी अंकसूची से सबको चकित कर दिया है. उन्होंने हिंदी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान जैसे कठिन विषयों में 100 में से 100 अंक अर्जित किए हैं, जबकि अंग्रेजी में उन्हें 99 अंक प्राप्त हुए हैं. नि:संदेह यह असाधारण सफलता उनकी एकाग्रता, निरंतर कठिन परिश्रम और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का जीवंत परिणाम है लेकिन चार विषय में शत प्रतिशत परिणाम हैरान करने वाले हैं. क्योंकि गणित में 100 में से 100 अंक प्राप्त किया जा सकता है लेकिन हिंदी , विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में 100 में से 100 अंक हासिल करना नामुमकिन है. सवाल कॉपी जांच करने वाले शिक्षकों और माध्यमिक शिक्षा मंडल पर भी उठने ही चाहिए. ? यह पन्ना जिले के लिए एक अत्यंत गौरवशाली क्षण है, जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं ने यह साबित कर दिया है कि यदि हौसला बुलंद और दिशा सही हो, तो कोई भी लक्ष्य नामुमकिन नहीं होता. विदिशा में बेस्ट ऑफ फाइव योजना लागू नहीं होने से कक्षा 9वीं का इसी वर्ष का परिणाम मात्र 26% है, जबकि बेस्ट ऑफ फाइव योजना कक्षा दसवीं में लागू होने से इसी स्कूल का परिणाम 82.14% आया है. दसवीं के अनेक छात्रों के प्रमुख विषय गणित में अनुत्तीर्ण होने पर भी उन्हें प्रथम श्रेणी से बेस्ट फाइव योजना के तहत किया पास किया गया है. शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल लटेरी कक्षा 9 का 16. 8 प्रतिशत इस वर्ष का रिजल्ट रहा जबकि कक्षा दसवीं जिसमें बेस्ट ऑफ फाइव योजना लागू थी, उसका रिजल्ट 81.09% तक पहुंच गया, शिक्षा व्यवस्था में यह भी एक आश्चर्यजनक परिणाम दिखाना है.

जिले में तीन नाबालिगों का धर्मांतरण

अशोकनगर जिले में नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म कर उनका धर्म परिवर्तन किये जाने का मामला शर्मसार करने वाला है. क्या भाजपा सरकार इसे रोकने के लिए कोई नया कानून लेकर आएगी यह बड़ा सवाल है. हालांकि इस मामले में जहां पुलिस ने एफआईआर दर्ज आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है. मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर आरोपियों पर इनाम भी घोषित किया है लेकिन पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लग रहे हैं. वहीं घटना के बाद हिन्दू संगठनों में खासा रोष देखने को मिल रहा है. दरअसल यह सारा मामला उस समय उजागर हुआ जब एक नाबालिग लड़की बुर्का पहनकर अपने गांव पहुंची, जहां उसने अपने साथ सारी घटना अपनी मां को बताई. इसके बाद मां अपनी बेटी के साथ पहुंची और शिकायत दर्ज कराई. गुरुवार को फरियादी मां अपनी 17 वर्षीय बेटी के साथ थाने पहुंची, जहां उसने बताया कि अल्तमश खान निवासी चेतक ब्रिज, हबीबगंज भोपाल द्वारा पिपरई रेलवे स्टेशन पर बहला-फुसलाकर ट्रेन से भोपाल ले गया था, जहां पीड़िता का हिंदू से मुस्लिम धर्म परिवर्तन कराकर निकाह कर कई बार दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया. इसी प्रकार पीड़िता की दो अन्य सहेलियां, जिनकी उम्र 14 एवं 15 वर्ष है उन्हें भोपाल ले जाया गया और वहां हिन्दू से मुस्लिम धर्म ,परिवर्तन कराकर निकाह कराते हुए उसने भी दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया. इस दौरान पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपियों द्वारा तीन सहेलियों का ब्रेनवॉश किया गया था, जिसके चलते वह बुर्का पहनकर गुप्त रूप से आई थी. पिपरई निवासी तीन सहेलियों के साथ दुष्कर्म और धर्मांतरण कराये जाने के मामले में पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है. जिसमें अल्तमश खान निवासी चेतक ब्रिज भोपाल, आहत शेख निवासी जिंसी भोपाल एवं अरहान अली निवासी जिंसी गल्ला मंडी भोपाल के नाम सामने आए. बताया जा रहा है कि तीन आरोपी आपस में अच्छे मित्र हैं, जिन्होंने तीन नाबालिग लड़कियों का ब्रेन वॉश करते हुए उन्हें बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए, जहां उनका धर्म परिवर्तन कराया गया.

> पीड़िता ने बताया कि उसे जबरन भोपाल के एक स्थान और अन्य स्थानों पर ले जाया गया, जहां आरोपी द्वारा जबरन उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया. यह गलत काम आरोपी ने उसके साथ एक बार नहीं बल्कि महीनों किया. इसी प्रकार अन्य लड़कियों के साथ भी आरोपियों ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया.

जानलेवा होता जा रहा ड्रग्स का व्यसन

कॉलेजों में पढ़ रहे छात्र या अपने करिअर की दहलीज पर खड़े युवाओं को यह व्यसन खोखला करता जा रहा है. रेलवे से कोकीन की तस्करी करने वाली महिला के पास से 4.25 करोड़ रुपए की कोकीन बरामद की गई.

पंजाब और हिमाचल प्रदेश में व्याप्त मादक पदार्थों का जाल अब अन्य राज्यों में भी फैल कर युवाओं को मौत के मुंह में धकेल रहा है. मुंबई के गोरेगांव में एक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग्स के अतिसेवन की वजह से 2 छात्रों की मृत्यु हो गई. कुछ वर्ष पूर्व मुंबई में फिल्मी अभिनेता-अभिनेत्रियों को नारकोटिक्स प्रतिबंधक विभाग ने ड्रग्स के नशे की हालत में पकड़ा था. तब शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी की वजह से यह प्रकरण काफी चर्चित हुआ था. इसके पूर्व प्रमोद महाजन के पुत्र राहुल महाजन के बारे में खबर थी कि वह ड्रग्स एडिक्ट है और ड्रग्स को 500 रुपए के नोट पर जलाकर उसका धुआं सूंघता है. तथाकथित हाई सोसायटी के युवाओं को जब मद्यपान से तसल्ली नहीं होती तो ड्रग्स के नशे का सहारा लेते हैं. कोकीन व एमडी जैसी ड्रग्स का व्यापार राज्य में दूर-दूर तक फैल गया है. इसमें पहले किसी युवा को मुफ्त में ड्रग्स सेवन से नशे का आदी बनाया जाता है. लत लग जाने पर वह चोरी और अपराध कर ड्रग्स खरीदने के लिए पैसे चुराता है. वह खुद भी ड्रग्स बेचने का धंधा अपना लेता है. यह चेन बढ़ती चली जाती है. इसके सेवन से स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ता है. युवक पुलिस या फौज में भर्ती के लायक नहीं रह जाते. पंजाब ने इस समस्या को भुगता है. ड्रग्स का अंतरराष्ट्रीय रैकेट है और प्रभावशाली लोग उसे बढ़ावा देते हैं. कॉलेजों में पढ़ रहे छात्र या अपने करिअर की दहलीज पर खड़े युवाओं को यह व्यसन खोखला करता जा रहा है. रेलवे से कोकीन की तस्करी करने वाली महिला के पास से 4.25 करोड़ रुपए की कोकीन बरामद की गई. छात्रावासों में भी ड्रग्स की लत फैल रही है. आधुनिक जीवनशैली के नाम पर नशे की जानलेवा लत तेजी से बढ़ती जा रही है. इस पर अविलंब अंकुश लगना चाहिए. नशे के सौदागर मौत बांट रहे हैं जिन्हें सख्त से सख्त सजा दी जाए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

इस बार नहीं कर सकते मतदान वोटिंग के हक से कर लो समाधान

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, एक जमाने में बंगाल काला जादू के लिए प्रसिद्ध था. वहां के जादूगर पीसी सरकार समूची दुनिया में विख्यात थे. बंगाल में जब वामपंथियों का जादू था तब उनकी सरकार 3 दशक तक चली. फिर वहां ममता बनर्जी की टीएमसी का जादू चला.'

हमने कहा, 'अब आप चुनाव आयोग के जादू को देखकर दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हो जाएंगे. वहां ऐसा करिश्मा हुआ कि एक पूर्व न्यायाधीश, कारगिल युद्ध के सम्मानप्राप्त सैनिक, भारतीय पासपोर्टधारी नागरिक को अनेक दस्तावेज पेश करने के बाद भी उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए. यह वंडर है या ब्लंडर?'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जब वोटर लिस्ट का गहन पुनरीक्षण होता है तो वह कहावत लागू होती है- जिन खोजा तिन पाइयां गहरे पानी पैठ ! चुनाव आयोग ने अपने तरीके से मतदाता सूची का शुद्धिकरण कर दिया. मृतकों और स्थानांतरित लोगों के नाम हटाने से भी बहुत आगे बढ़कर वोटर लाखो लोगों के नाम इस तरह गायब हो गए जैसे गधे के सिर से सींग ! नंदीग्राम में वोटर लिस्ट से हटाए गए नामों में 95 प्रतिशत मुस्लिमों का समावेश है. चुनाव के केवल 4 महीने पहले मतदाता सूची नए सिरे से बनाने की अनुमति दी गई. चुनाव आयोग को छूट दी गई कि वह हटाए गए नामों की मशीन रीडेबल सूची जारी न करे. अन्य राज्यों की तुलना में बंगाल में ज्यादा सख्ती से एसआईआर लागू किया गया. एकही परिवार में किसी का नाम सूची में था तो बाकी सदस्यों के नाम नदारद थे. इसकी कोई सुनवाई नहीं थी. पहले तो 58 लाख नाम इसलिए हटाए गए क्योंकि उन्होंने फार्म नहीं भरा था. कोई अनपढ़ है तो कैसे फार्म भरेगा?'

हमने कहा, 'जिस तरह व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए मोटापा दूर करना जरूरी है, वैसे ही लोकतंत्र की तंदुरुस्ती के लिए मोटी मतदाता सूची को पतला करना आवश्यक है. टीएमसी का आरोप है कि चुनाव आयोग ने मुस्लिम मतदाताओं में 5 प्रतिशत कमी लाने का काम किया.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, आरोपों को जाने दीजिए. चुनाव के लिए समय कम रह गया है. जिन लोगों के पास जरूरी दस्तावेज हैं और फिर भी सूची में नाम नहीं है वह आगामी चुनाव तक प्रतीक्षा करें. अभी नहीं तो अगली बार. चुनाव होते रहेंगे लगातार!'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12232 - डॉ. सागर खादीवाला

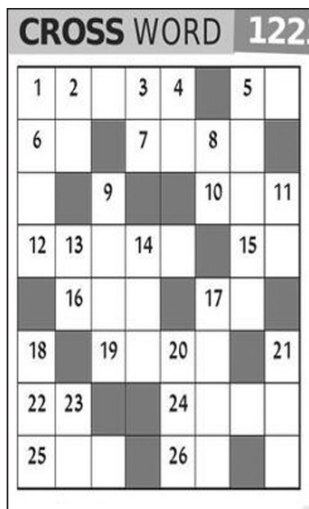

बाएं से दाएं

1. राजाज्ञा से संबंधित (सं.) 5. मधुमक्खियों का घर 6. सब्ज, घास या पत्तियों के रंग का 7. केंचुआ (सं.) 10. मापना, किसी स्थान या वस्तु की लंबाई-चौड़ाई निश्चित करना 12. चांदी का बर्तन 15. गले में बांधने की कपड़े की पट्टी जो शोभा के लिए बांधी जाती है (अं.) 16. लेखनी, पेड़ की वह टहनी जो दूसरी जगह लगाने के निमित्त रोपी जाती है (उर्दू). 17. रोपना, किसी बात का सूत्रपात करना 19. अकबर के नौ रत्नों में एक 22. ढंग, रीति 24. सत्यता, सचाई 25. समीप, लगभग 26. वह धन जो जुए के अड्डे का मालिक जीतने वाले से अपने अंश के रूप में लेता है.

ऊपर से नीचे

1. पथिक, मुसाफिर (उर्दू) 2. बुढ़ापा, क्षीणता, थोड़ा 3. स्त्री, नारी (सं.) 4. अंधकार, पाप (सं.) 5. तड़फड़ाना, बेचैन होना 8. बैर, द्वेष (उर्दू) 9. स्वार्थी, खुदगर्ज 11. हज्जाम 13. धनरक्षक यक्ष, कंजूस आदमी, जिद, हठ 14. दुष्ट, कमीना, पापी 17. बातचीत 18. मंडूक 20. रहना, आबाद होना, टिकना 21. पर्दा, घूंघट 23. मुक्त, छूटा हुआ

Solution 12231

न	र्म	दे	श्व	र		ग	धा
र		व	स	वा	सी		र
क	त	र	ना		धा	व	क
गा	र			आ	प	सी	
मी	न	मे	ख		न	य	न
	ता	रा	प	थ		त	र
दा	र		रै	न		ना	प
दा	न	शी	ल		दा	मा	द

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी. व्यवसाय में वृद्धि होगी. राजनैतिक लाभ होगा. वर्ष के मध्य में व्यवसाय की स्थिति में सुधार होगा. आय के अन्य स्त्रातों में वृद्धि होगी. पूर्व परिचित से भेंट होगी. सफलता मिलेगी. मन में प्रसन्नता रहेगी. वर्ष के अन्त में अनावश्यक विवाद से मन खिन्न रह सकता है. स्थान परिवर्तन का योग है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा. शुभ समाचार मिलेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को परिश्रम व उदासीनता रहेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को आपसी सामंजस्य के साथ काम लेना हितकर रहेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नियमितता का ध्यान रखकर कार्य करना चाहिये. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को जमीन जायजाद के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी.

मेष- किसी बात को लेकर व्यर्थ भयभीत हो सकते हैं, पारिवारिक सदस्यों के वाद विवाद दूर करने का प्रयास करें, निजी पुरूषार्थ बना रहेगा.

वृषभ- व्यापार विस्तार पर विचार होगा, अनजान लोगों पर भरोसा न करें, संतान के कार्यो में इच्छानुसार सफलता मिलेगी, मित्रों द्वारा कार्य में सहयोग मिलेगा,

मिथुन- किसी के सहयोग की जरूरत होगी, नये कार्य की तलाश में सफलता मिलेगी, राजकीय कार्यों में सहयोग मिलेगा, महिला जाति की सलाह उपयोगी रहेगी.

कर्क- पारिवारिक परेशानी दूर होने से राहत महसूस करेंगे, व्यापार व्यवसाय में लाभ एवं अनुबंधों से सुखद अनुभूति होगी, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

सिंह- कुछ लोग आपसे नजदीकी का फायदा उठा सकते हैं, विरोधियों की चाल सामने आ सकती है, धर्म में खर्च होगा, यात्रा का योग है.

कन्या- कार्यक्षेत्र में आ रही दिक्कतें दूर होंगी, छोटा विवाद बड़ा रूप ले सकता है, सावधानी रखें, धार्मिक कार्यो की पूर्ति होगी, नवीन योजनाओं का विस्तार होगा.

तुला- परिचितों के कारण अपना कार्य करने में कठिनाईयां आयेंगी, वाणी पर नियंत्रण रखें. आर्थिक कार्य इच्छानुसार बनने का योग है, परिश्रम होगा.

वृश्चिक- दूसरों को अपने व्यक्तिगत मामलों में दखल का अवसर न दें, भौतिक सुख साधनों में बढ़ोत्तरी होगी, भाई बंधुओं का सुख मिलेगा, लाभ होगा.

धनु- कार्यस्थल पर मिल रहीं चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे, आर्थिक कार्यो में स्थिति सामान्य रहेगी, दूर दराज की यात्रा होगी. मानसिक प्रसन्नता रहेगी.

मकर- साझेदारी में बड़ी योजना शुरू कर सकते हैं, केरियर में आ रही बाधा दूर होगी, भ्रमण मनोरंजन, आमोद प्रमोद के अवसर आयेंगे, शुभ समाचार मिलेगा.

कुम्भ- मामूली सी बात पर मित्रों से कहा सुनी हो सकती है, आर्थिक कार्यों में स्थिति सामान्य रहेगी, किसी प्रिय व्यक्ति के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, मनोरंजक सैर होगी.

मीन- प्रियजन का साथ आगे बढ़ने की हिम्मत देगा, विलासिता की वस्तुओं का संचय होगा,महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे, व्यापार की उन्नति होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक परोपकारी मिलनसार तथा धार्मिक स्वाभाव का होगा, इनका व्यक्तित्व मिलनसार होगा, कला, संगीत, और काव्य में इनकी अच्छी रूचि होती है, चंचलमना होने के कारण इनमें लोकप्रियता रहेगी, स्वतंत्र कार्य द्वारा जीवन यापन करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

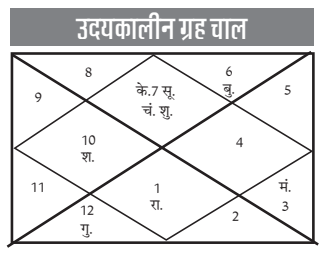

पंचांग

रा.मि. 28 संवत् 2083 वैशाख शुक्ल प्रतिपदा शनिवासरे दिन 3/13, अश्विनी नक्षत्रे दिन 10/36, प्रीति योगे रात 1/39, वव करणे सू.उ. 5/40, सू.अ. 6/20, चन्द्रचार मेष, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 1, 3, 4, 7, 8, 11 अ.रा. 2, 5, 6, 9, 10, 12 शुभांक- 3, 5, 9.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल प्रतिपदा को अश्विनी नक्षत्र के प्रभाव से सूत, कपास, में घट-बढ़ होकर तेजी होगी, चांदी में 30 से 50 रूपये मंदी होगी, गुड़, खांड, शक्कर में मंदी का रूख रहेगा, भाग्यांक 2529 है.

SUDOKU 7364

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7363

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4